केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
Central Board of Secondary Education, Delhi

(परीक्षार्थी भरें To be filled in by the candidate)

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाये गये बाक्स में ही लिखें
Candidate should write code no. as written on the top of the question paper in this box ➡ 4/2

अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका (ओं) की संख्या
No. of supplementary answer-book (s) used ➡ Nil

परीक्षा का नाम Name of the examination AISSE

कक्षा Class X

विषय Subject Hindi Course-B

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination Thursday - 22/03/2012

उत्तर देने का माध्यम Medium of answering the paper Hindi

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो सम्बन्धित वर्ग में ✓ का निशान लगायें।

B	D	H	S	C

B=दृष्टिहीन, D=मूक एवं बधिर, H=शारीरिक रुप से विकलांग, S=स्फस्टिक, C=डिस्लेक्सिक
If Physically challenged, tick the category
B=Blind, D=Deaf & Dumb, H=Physically Handicapped, S=Spastic, C=Dyslexic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया हां / नहीं
Whether writer provided : Yes / No

खण्ड - ग

10. (क) बढ़ती हुई आबादी का प्रकृति पर बहुत दुष्प्रभाव पड़ा है। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समुद्र को पीछे सरकाना शुरु कर दिया है। पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरु कर दिया है और प्रदूषण फैलाकर पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरु कर दिया। बढ़ती आबादी के कारण मनुष्य प्रकृति के साथ खिलवाड़ करता जा रहा है।

(ख) बारूदी विनाशलीला के कारण वातावरण प्रदूषित हो रहा है। विस्फोट के चुँए के कारण वायु दूषित होती है और पर्यावरण का भी विनाश होता है। इससे गरमी भी बढ़ गई है और प्रकृति में असंतुलन बन गया है। विस्फोट क्षेत्र के जीव-जन्तुओं और पर्यावरण का विनाश होता है।

(ग) मानव और प्रकृति में असंतुलन का परिणाम है— नित नए रोगों का जन्म। प्रदूषण, वायुमंडल में बदलाव, बारूदी विनाशलीला आदि इसके कारण हैं।

11.

(क) ओचुमेलॉव एक चापलूस और दुल-मुल प्रवृत्ति वाला पुलिस इंस्पेक्टर था। वह दोहरा व्यवहार रखने वाला अवसरवादी व्यक्ति था। ह्यूक्रिन की दलील को समझकर, कुत्ते को 'आवारा' कहता है और उसे मारने का आदेश दे देता है परंतु जब उसे यह पता लगता है कि वह कुत्ता किसी बड़े अधिकारी (जनरल झिगालॉव) का है तो वह अपने विचार बदल लेता है और दोष ह्यूक्रिन के मत्थे मढ़कर कुत्ते को सुंदर और 'स्वीट' बुलाने लगता है। ओचुमेलॉव गिरगिट की भाँति रंग बदल लेता है। वह अवसर देखकर परिस्थिति के अनुकूल अपने विचारों में परिवर्तन कर लेता है।

(ख) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डरों ने समुद्र की जमीन हथियाने के लिए उसे पीछे धकेलना शुरू कर दिया था। समुद्र ने इस कारण अपने पैरों को समेट लिया। फिर भी यह प्रक्रिया न रुकने पर वह धुत्तों के तन बेंड गया और बाद

में खड़ा हो गया। लेकिन तब भी मनुष्य ने अपना लालच न छोड़ा और समुद्र को गुस्सा आगया।

~~मुम~~ समुद्र का गुस्सा शांत होना मुश्किल था और उसे शांत करने के लिए उसने अपनी तीव्र लहरों से तीन जहाजों को अलग-अलग दिशाओं में फेंक दिया। एक वली सागर के किनारे गिरा, एक बांद्रा में कार्टर रोड के सामने उलटे मुँह गिरा और तीसरा गेटवे ~~ऑफ~~ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नज़ारा बना।

12.

(i) (ग) मनुष्य मात्र को भाई समझना

(ii) (क) परमपिता परमेश्वर

(iii) (ख) कर्म के अनुसार फल भोगने के कारण

(iv) (ग) भाई ही भाई का ~~दुश्मन~~ दुश्मन दूर न करे

PTO

(v) (ख) भ्राता

13. ~~"जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम आता है।"~~

'गिरगिट' कहानी के माध्यम से लेखक ~~अंतो~~ अंतोन चेखव ने समाज की अनेक विसंगतियों पर व्यंग्य किया है। समाज में ढुल-मुल प्रवृत्ति के लोग अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए अवसर-वादीता की ओर प्रेरित होते हैं। दोहरे व्यक्तित्व वाले लोग समाज में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। इसके कारण समाज में 'भाई-भतीजावाद' फैल गया है। उच्च वर्ग द्वारा निम्न वर्ग को शोषण होता है। ओचुमेलॉव जैसे अफ़सर गरीबों और दलितों का शोषण करते हैं और निर्दोष होते हुए भी उनपर किसी और दोष मढ दिया जाता है। पूंजीपतियों के दोषों को नजरंदाज कर निर्दोष गरीब पर दोष डाल दिया जाता है। निम्न वर्ग के साथ अन्याय और भेद-भाव समाज विसंगति है। सुख-सुविधाओं के मोह और अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए सभी अपने आदर्शों को दाव पर लगा रहे हैं। ~~अ~~बड़े अधिकारियों की चापलूसी करना और गरीबों का शोषण करना गलत है। समाज की अन्य विसंगतियाँ

भी इन्हीं भावों से जुड़ी है। बालश्रम पर रोक लगाने बावजूद उस पर अमल नहीं किया जाता है। दलित वर्ग को निर्दोष होते हुए भी न्याय नहीं मिलता है। पुलिस-कर्मी जिन्हें सभी को न्याय दिलाने का काम दिया गया है, वही स्वयं कूटनीति चलाने लगे हैं। समाज की इन विसंगतियों को मिटाना आवश्यक है।

14. (क) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में पतंगा अपना क्षोभ इस प्रकार व्यक्त करता है कि वह व्याकुलता से भर गया है। वह ईश्वर-प्राप्ति के प्रकाश में मिल जाना चाहता है। वह मन रूपी दीपक की ज्वाला में जल न पाने के लिए व्यथित हो रहा है। पतंगा उसमें जलकर मोक्ष प्राप्त करना चाहता है।

(ख) 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि मैथिलीशरण गुप्त यह संदेश देना चाहते हैं कि 'मनुष्य' वही कहलाता है जिसमें मनुष्यता सभी गुण व्याप्त हों। जो मनुष्य अपने निजी स्वार्थों और भोग-विलासिताओं के बजाय परोपकार और दूसरों के हित में अपना जीवन व्यतीत करता है, वही उचित मायनों में मनुष्य कहलाने योग्य है। अतः सभी को दूसरों का हित

करना चाहिए और अपने जीवन को सार्थकता के मार्ग पर चलाना चाहिए।

(ग) नायिका का भौंहों से हँसने में उसका लज्जा में होने का भाव है। सभी लोगों के बीच नायक से नैन संकेतों में बातचीत से नायिका भौंहों से हँसने का संकेत देती है।

15. राही मासूम रज़ा द्वारा रचित 'टोपी शुक्ला' कहानी में इफ़्फ़न का पात्र अत्यंत ~~महत्व~~ महत्वपूर्ण है। इफ़्फ़न और टोपी में बहुत गहरी मित्रता थी। इफ़्फ़न के बिना टोपी की कहानी अधूरी थी। दोनों में मित्रता विद्यालय में हुई थी। टोपी इफ़्फ़न को अपना सबसे जिगरी दोस्त मानता था। टोपी को घर में किसी से गहरा लगाव नहीं था बल्कि उसे इफ़्फ़न और इफ़्फ़न दादी से अधिक घनिष्ट प्रेम और स्नेह था। टोपी इफ़्फ़न से दादी बदलने की भी बात करता है। ~~अतः~~ इफ़्फ़न के पिता के तबादले और दादी की मौत के ~~पश्त~~ पश्चात् टोपी अकेला हो जाता है। अतः इफ़्फ़न टोपी के जीवन का एक बहुत महत्वपूर्ण पात्र माना जा सकता है।

16. टोपी को अपने परिवार में किसी से लगाव नहीं था। उसकी दादी भी हमेशा उसे डाँटती-फटकारती रहती थीं। टोपी को इफ़्फ़न की दादी के साथ समय बिताना अच्छा लगता था। यद्यपि वह कभी उनके हाथ की चीज नहीं खाता और उनका नाम भी नहीं जानता था मगर फिर भी उनमें गहरा संबंध था। उसे इफ़्फ़न की दादी अपनी सी लगती थी और उनकी भाषा में भी उसे अपनत्व लगता था। इसी कारण वह इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात करता है।

⟹ PTO

खण्ड (घ)

17. परीक्षा केन्द्र
जिला : अ. ब. स

दिनांक : 15 सितंबर 20XX

प्रिय वंशिका,
सप्रेम नमस्कार।

~~तुमसे~~ तुम्हारा पत्र मिला। यह जानकर संतोष मिला कि तुम वहाँ कुशल मंगल से हो। यहाँ भी सभी कुशलतापूर्वक हैं। तुमने विद्यालय के बारे में जिज्ञासा व्यक्त की थी। इस पत्र में मैं तुम्हें हिन्दी दिवस के अवसर पर विद्यालय में आयोजित समारोह के बारे में बताना चाहती हूँ।

अंग्रेजी माध्यम होने के बावजूद हमारे विद्यालय में हिन्दी को सदैव महत्ता और सम्मान दिया जाता है। हिन्दी हमारी मातृभाषा होने के साथ ही हमारी राष्ट्रभाषा भी है इसलिए हिन्दी दिवस को विद्यालय में अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। ~~विद्यार्थी~~ विद्यार्थियों और अध्यापकों ने वक्तव्य दिया। मैंने भी इस अवसर पर अपने भावों को एक ~~एक~~ वक्तव्य द्वारा सभी तक पहुँचाया था। आज भारत में

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव पर व्यंग्य करते हुए हिन्दी की लुप्त होती मस्ती को उजागर किया। मैंने अपने शब्दों द्वारा सभी के मन में हिन्दी के प्रति सम्मान और उसकी प्रतिष्ठा को जगाना चाहा। अंतर्राष्ट्रीय भाषा — अंग्रेजी — का ज्ञान आवश्यक है परंतु उसे बढ़ावा देते हुए हिन्दी को दबाना नहीं चाहिए। जिस प्रकार आज पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा फैल चुकी है, उसी प्रकार हमें हमारी मातृभाषा हिन्दी को बाकी देशों के लोगों तक पहुँचाना चाहिए और हिन्दी की प्रतिष्ठा को और अधिक बढ़ाना चाहिए। मेरे वक्तव्य से वहाँ एकत्रित सभी के दिल द्रवित प्रभावित हुए। प्रधानाचार्या जी ने मुझे पुरस्कृत किया और यह प्रस्ताव रखा कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को हिन्दी दिवस के रूप में माना जाए और सभी हिन्दी में बातचीत करें। सभी ने उन्हें सराहा।

यह मेरे जीवन का एक सफल और महत्त्वपूर्ण दिन था। आशा है तुम्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई होगी। अपने मम्मी-पिता को मेरा प्रणाम और छोटे भाई राहुल को प्यार देना।

तुम्हारी सखी,
क. ख. ग.

18. (ख) भ्रष्टाचार और जनता

आज विश्व के लगभग सभी देशों में भ्रष्टाचार ने अपनी जड़ें जमा ली हैं। लोगों का अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए रिश्वत-खोरी जैसे गलत रास्तों को अपनाना और अन्य को धोखा देना ही भ्रष्टाचार है। सुख-सुविधाओं और भोग-विलासिताओं के लालच के कारण व्यक्ति अपने आदर्शों को भूलते जा रहे हैं। यही कारण की भ्रष्टाचार समाप्त होने के बजाय बढ़ता जा रहा है। सरकार के अधिकारी रिश्वतखोरी और धोखेबाजी से जनता का शोषण करते हैं। जनता को उसके अधिकारों से वंचित कर देते हैं। अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए और अधिक से अधिक काला धन कमाने के लिए गलत प्रक्रियाओं को अपनाकर राष्ट्र की उन्नति और विकास में बाधा डालने लगे हैं। यह सब रोकना अत्यधिक आवश्यक है। राष्ट्र-उन्नति के लिए भ्रष्टाचार मिटाना बहुत ही जरूरी है ताकि जनता को उसके अधिकार मिल सकें और देश का धन उसके विकास कार्यों में लगाया जाए। सरकार को नए और कठोर नियम लागू करने चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ अलग समिति बनानी चाहिए। भारत में आगे बढ़ रहे अन्ना हजारे जैसे व्यक्तियों के साथ जनता को भी बढ़ना होगा। चुप बैठकर

सहते रहने की बजाय आगे कदम बढ़ाकर आवाज़ उठानी होगी और सरकार को जगाना होगा।

"सहते-सहते मौन न रहो,
जन में जगाओ नए विचार।
देश हो उन्नत, हो विकास,
जड़ से मिटाओ भ्रष्टाचार॥"

PTO ⟹

खण्ड - (ख)

5.

(i) (ग) क्रिया विशेषण

(ii) (घ) ऋषि-मुनियों वाले

(iii) (ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन

(iv) (ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुलिंग, एकवचन

6.

(i) (ख) संयुक्त वाक्य

(ii) (ग) मुझे अपने पत्र लिखा और शुभकामनाएँ भेजें।

(iii) (ग) प्राचार्य ने जिन छात्रों को विद्यालय प्रांगण में बुलाया उन्हें नैतिक शिक्षा देने लगे।

(iv) (क) उसने बताया कि उसके घर कल रात चोर आए थे।

7.
(i) (ग) सौम्येश

(ii) (ख) सह + उदर

(iii) (घ) नरों में उत्तम

(iv) (ख) महात्मा

8.
(i) (ख) हार मानना

(ii) (ग) नाक रख लेना

(iii) (ख) कान काटना

(iv) (घ) बुरे काम का बुरा फल होता है

9.

(i) (ख) हल्दीघाटी की लड़ाई में चेतक हवा में बातें करता था।

(ii) (घ) एक फूलों का गुलदस्ता ले आओ।

(iii) (घ) हम लोग आज नाटक देखने जाएँगे।

(iv) (ख) कृपया आप अपना वक्तव्य दीजिए।

⇒

खण्ड (क)

1.

(i) (ख) जो हमेशा अपने लक्ष्य और काम की धुन में रहते हैं।

(ii) (ख) सुलभ उपायों से

(iii) (ख) ध्यान, ज्ञान, विवेक से समृद्ध हुए

(iv) (क) साहसी सपूत

(v) (क) उत्साही और कर्मठ

2.

(i) (ख) यादें

(ii) (ख) सिद्धार्थ की

(iii) (क) अहंकार में चूर

(iv) (ख) शांत हो जाएगा

(v) (क) दुख की

3.

(i) (घ) जो मानवीय गुणों से ~~स्वी~~रहित होता है।

(ii) (ख) जिसमें पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं।

(iii) (क) लोकप्रिय हो जाता है।

(iv) (ख) अपना फल दूसरों को देता है।

(v) (क) सच्चा मानव

4.

(i) (घ) औरों को सुख पहुँचाने में।

(ii) (ग) अपना सुख और प्राण बलिदान करने वाले

(iii) (ख) दूसरों का उपकार करना

(iv) (ख) परोपकार के लिए

(v) (ग) उपकार

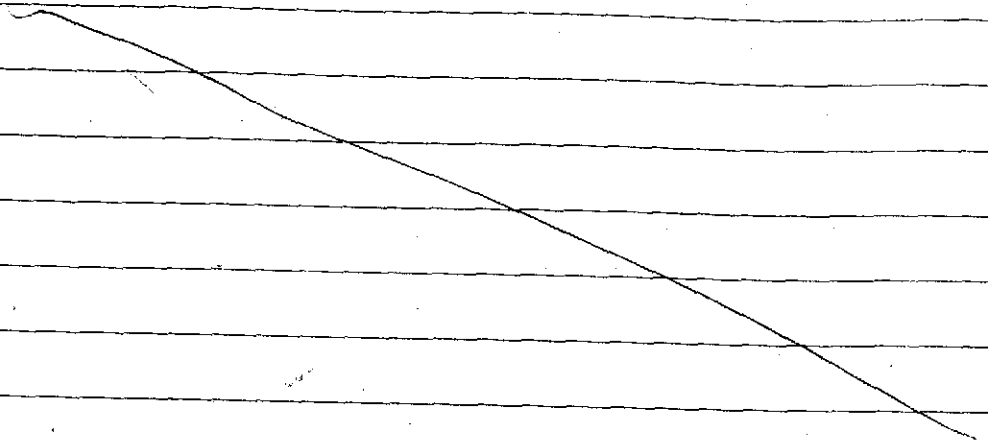

(904)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. उत्तर–पुस्तिका लेते ही इसके पृष्ठ गिनकर देख लें कि इसमें कवर सहित 32 पृष्ठ हैं एवं सही क्रम में हैं।
2. उत्तर–पुस्तिका, पूरक उत्तर–पुस्तिका, ग्राफ पेपर, नक्शे आदि के ऊपर किसी भी स्थान पर (अन्दर अथवा बाहर) कोई विशेष चिन्ह आदि न लगायें।
3. अपना अनुक्रमांक, नाम, विद्यालय का नाम व परीक्षा का स्थान किसी उत्तर में न लिखें।
4. अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका की क्रम संख्या उपस्थिति शीट पर लिखें।
5. उत्तर–पुस्तिका के प्रत्येक पृष्ठ के दोनों ओर तथा लाइन पर लिखें। बीच–बीच में पृष्ठ व्यर्थ ही खाली न छोड़कर अथवा अधिक चौड़ा हाशिया छोड़कर पृष्ठ नष्ट न करें।
6. उत्तर–पुस्तिका के पृष्ठों को मोड़े या फाड़े नहीं और बीच–बीच में व्यर्थ ही खाली न छोड़ें। इस उत्तर–पुस्तिका के भर जाने पर ही अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका मांगें और जब तक वह नहीं भर जाये तब तक अन्य अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका न मांगें।
7. अपने उत्तरों के आरम्भ में प्रश्न पत्र में दी हुई संख्या के अनुसार संख्या लिखें।
8. पूरे प्रश्न (अथवा प्रश्न के एक भाग) के समाप्त होने पर उत्तर के नीचे रेखा खींच दें।
9. यदि आपने ग्राफ पेपर, नक्शा अथवा अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका काम में ली हो तो उसे मुख्य उत्तर–पुस्तिका के साथ अच्छी प्रकार से नत्थी कर दें। परन्तु अपना अनुक्रमांक केवल मुख्य उत्तर–पुस्तिका पर दिये हुए स्थान पर ही लिखें। ग्राफ, नक्शे, अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका आदि पर अनुक्रमांक न लिखें।
10. केवल काली नीली व नीली स्याही का ही प्रयोग करें।
11. रफ अथवा कच्चे काम आदि के लिए संबंधित पृष्ठ के दांयी ओर उचित हाशिया खींच लें बाद में उस काम को एक रेखा द्वारा काट दें।
12. उत्तर–पुस्तिका अपने सहायक निरीक्षक को दिये बिना परीक्षा भवन न छोड़ें।
13. यदि परीक्षा के दौरान, कोई परीक्षार्थी निम्नलिखित में से किसी भी हरकत में शामिल पाया जाता है तो यह नोट किया जाएगा कि परीक्षार्थी ने परीक्षाओं में अनुचित साधनों को अपनाया है और उसका परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किया जाएगा। किन्तु उस पर अन्फेयर मीन्स (यू.एफ.एम.) अंकित कर दिया जाएगा :–
   (क) यदि उसके पास संबंधित विषय की परीक्षा से सम्बन्ध कागज, पुस्तकें, नोट्स अथवा कोई अन्य सामग्री पायी गयी हो ;
   (ख) यदि वह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार की सहायता प्रदान कर रहा हो अथवा प्राप्त कर रहा हो या ऐसा करने का प्रयास कर रहा हो ;
   (ग) यदि वह लिखने के लिए केन्द्र अधीक्षक द्वारा दी गई उत्तर–पुस्तिका के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार की सामग्री में प्रश्न अथवा उत्तर लिख रहा हो ;
   (घ) यदि वह उत्तर–पुस्तिका अथवा पूरक उत्तर–पुस्तिका इत्यादि के पृष्ठ फाड़ रहा हो ;
   (ङ) यदि वह परीक्षा केन्द्र में परीक्षा के दौरान परीक्षा–स्टाफ के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से सम्पर्क करने अथवा वैसा व्यवहार कर रहा हो या ऐसा करने का प्रयास कर रहा हो ;
   (च) परीक्षा कक्ष से उत्तर–पुस्तिका बाहर ले जाने पर ;
   (छ) परीक्षा संबंधी कोई अन्य अवांछनीय तरीकों अथवा साधनों का प्रयोग करने अथवा ऐसा करने का प्रयास करने पर ;
   (ज) प्रश्न–पत्र अथवा उसका कुछ भाग बाहर भेजने अथवा उत्तर–पुस्तिका / पूरक उत्तर–पुस्तिका शीट अथवा इसका कुछ भाग बाहर भेजने पर ; और
   (झ) परीक्षाओं के आयोजन से सम्बद्ध किसी कार्यकारी अथवा किसी परीक्षार्थी को धमकी देने पर।

BSE 2012

Instructions to Candidates

1. Make sure that the answer-book contains 32 pages (including title page) and are properly serialed in number as soon as you receive it.
2. DO NOT make any special sign or mark in or outside the answer-book, supplementary answer-book, graph-paper, map etc
3. DO NOT write your roll no., name of your school or place of examination in any of your answers.
4. You must write the supplementary answer-book serial no. in the attendance sheet.
5. Write on each ruled line on both sides and do not waste pages by leaving a wider margin.
6. DO NOT tear out or fold the pages of the answer-book and do not leave any page blank unnecessarily. No supplementary answer-book (s) should be asked for unless this answer-book / the previous supplementary answer-book is finished.
7. Number your answers according to their numbers in the question paper.
8. Draw a line when a question (or a part thereof) is finished.
9. Securely tag your answer-book with supplementary answer-book (s), graph-paper, map etc. if used by you, but DO NOT write your Roll No. on the supplementary answer-book, graph-paper, map etc
10. Use only blue-black or royal-blue ink.
11. For rough calculation etc., appropriate margin on the right-hand side of the page may be drawn. The rough calculation etc. should be crossed out afterwards.
12. DO NOT leave the examination hall without handing over the answer-book to the Asstt. Supdt.
13. If during the course of examination, a candidate is found indulging in any of the following, he/she shall be deemed to have used unfair means at the examinations and as such his/her result shall not be declared but shall be marked as UNFAIR MEANS (U.F.M.) :-
   (a) having in possession papers, books, notes or any other material or information relevant to the examination in the paper concerned;
   (b) giving or receiving assistance directly or indirectly of any kind or attempting to do so;
   (c) writing questions or answers on any material other than the answer book given by the Centre Superintendent for writing answers;
   (d) tearing of any page of the answer-book or supplementary answer-book etc;
   (e) contacting or communicating or trying to do so with any person, other than the Examination Staff, during the examination time in the examination centre;
   (f) taking away the answer-book out of the examination hall/room;
   (g) using or attempting to use any other undesirable method or means in connection with the examination;
   (h) smuggling out Question Paper or its part or smuggling out answer-book/supplementary answer-sheet or part thereof, and
   (i) threatening any of the officials connected with the conduct of the examinations or threatening of any of the candidates.